

DPN 6165

Title : तुतः सफू व चचा TUTAH SAPHŪ WA CACĀ

Run. No. 6856

Cat. No.

Micro. No.

Subject *stotra and eacā*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 18.5 X 8

Folios 5

Lines (in a page) 6/7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ स्तोत्र - संसाह (र) पंक्तु तिमिहारा विमग्न सत्त्वा, ॥ आलोकिते पदसमुत्तर बोधिमार्ग
तं पद्मपाणी ब्रह्ममर्ग ददन्त मामि ॥

P. T. O.

चचा - राग मालाश्रीर ॥ उदित भुवन कमलासन किन्नर्य, रलित प्रह्लादवत
स्वभा २,

[illegible]

रुचसत्वा ॥ संसालय कतिमिलार्जुवमग्र सत्वा ॥ आलाकिठयदस
 नूकलवादि साग्गः नम्यमयालिवलमग्ग ददन्नसमि ॥ ३ ॥ गत्वा य
 लनयै कयग्रविदिमग्र नयै नौल आति कृत्तु दवि आलल्ल स
 यम्ययलकि सकलदूःखविनासै सयकि ॥ नम्यमयालिनलकाः
 गिसमन्नसामि ॥ ७ ॥ सक्तुगय प्रियमयालकरुग्गकुमिः रुधर्मो या
 उमिवग्रगत का सकयि ॥ यै कर्मकुमिमावधंसिगह्यनामिर्न ॥

नम्यमयालिहत्तु आ सत्तनन्नसामि ॥ १ ॥ गत्वा ययनवलकय
 मग्गना रुनाय ॥ मुल्लो कनाथमरुयंकलसर्वसत्वा ॥ दूःखार्जु
 वतवसलामि विमकिदूःख ॥ नम्यमयालिहत्तु कि विवर्तः
 नसामि ॥ ७ ॥ ह्ययुत्तुलाकगययंक कनावअर्न ॥ ७ विमस्यउ
 दलयवतकिर्जुमग्ग ॥ कूकूदूःखरुययिपुया तुंयुत्तसत्वा
 ॥ नम्यमयालितयना सकलन्नसामि ॥ ८ ॥ अन्नानेरुककूय

15
10
यिठितयुतसत्वा । समिष्टं यतककनरु अवभाठिरि ॥ म्प
ष्टिसनिलरु रु रुषतिवा तु लाना ॥ तं स्य प्रया लिह रु रुषा
दृषान्नसामि ॥ १० ॥ गत्वा तं संतुवनवक्रित वतु सूर्यथा वि
कमलिजीलितरुतयु रावरा स्ये ॥ तथेक लाक सग न्य
अल्लेनस सं ॥ तं स्य प्रया लिह मय कृते वसामि ॥ ११ ॥ ग
त्वा वर्यनेवलिरु जमना लथ स्य ॥ यदियतं कलस कक स

5
यिष्ठुयातं ॥ धर्माक ॥ यनयलितः यित्तानवड ॥ तं स्य म्प
यालिबुध्मसं ददन्न सामि ॥ १२ ॥ गत्वा वर्यनेदिविबुलु लद
वयुता ॥ दानं स्यदिनक धयिदिनदूःखानं कं ॥ १३ ॥ आव
यामि यविष्टुलु ससु द्विजले ॥ तं स्य प्रया लि धन वद्धि कलन
सामि ॥ १४ ॥ तं का सकरय मयद मितनाक अरि ॥ कामाव स्य न

इति

[illegible]

वैजो यिवयियायि २ हा लका लजलयनयायि तयिराल वजनया
 यि ॥ ४३ ॥ चवूसमक ग विणि लाक यल नवयिया २ मलया
 ज ० ॥ दान सालि लदू दू क वजयाय ॥ ४३ ॥ यर्यान कृष्ण क र न सा
 ॥ साधन मूनयि २ नि ल ३ ० ॥ अंगाल या वयि तदि ऊ सजायय ता ॥
 ४ ॥ २ नागमाल शिव ॥ उदिन रुवन क मला सन कि लन्य वलितय
 दा हावल स्वरा २ आ हा निमल हिदय क कला मय ना थ द हे हि अरु
 यवल यदा हा ॥ ६ अ हा तु सा दे रु न श हं श हं गलना २ अ हा वि

रु वल व्यायि ता ज ग रु उ द्वा रु लि न्य युन मा स भ व ग्मा ला क ५ ल
 ॥ ४३ ॥ कल कन तु स नि वल द अ रु य ५ ग रु जा आ र्ण द मू रि क रु
 ति २ आ हा वा हा म क मल दू ल वल वि रु रिय न ग रु जा अ र्ण द
 मू ल ति ॥ ४३ ॥ अल नल ज क हे कि ना ल ग ५ य जि या ल ल ना नः
 वदु ५ गि ल्य रु ट ड ला या २ आ हा ति गि मी ला धो हा ला व ना वल
 वि रु री न द हि अ रु य वल य दा ॥ ४३ ॥ लग न वल ५ वि रु रु रु ५
 लि ल्य ला क ५ ल स रु व ल रु ५ सं य त २ आ हा ल रु त वि वि रु

